085/X/SA2/33/A1

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

कक्षा - X

हिन्दी

(पाठ्यक्रम - ब)

निर्धारित समय : **3** घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **11** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले उस प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड 'क'

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए।** 1x5=5

जिस विद्यार्थी ने समय की कीमत समझ ली, वह सफलता को अवश्य प्राप्त करता है। प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी दिनचर्या की समय सारणी बनाकर उसका पूरी दृढ़ता से पालन करना चाहिए। जिस विद्यार्थी ने समय का सदुपयोग करना सीख लिया, उसके लिए कोई भी कार्य असंभव नहीं। कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो किसी कार्य के पूरा न होने पर समय की दुहाई दिया करते हैं। वास्तव में सच्चाई इसके विपरीत होती है। अपनी अकर्मण्यता और आलस्य को वे समय की कमी के बहाने छिपाते हैं। ऐसे लोग केवल बातूनी होते हैं। दुनिया के सफलतम व्यक्तियों ने सदैव कार्य व्यस्तता में जीवन बिताया है। दुनिया और प्रकृति में हर वस्तु का समय निश्चित है। समय बीत जाने पर कोई भी कार्य फलप्रद नहीं होता। सूरज यदि समय पर उदय या अस्त होना बंद कर दे, वर्षा यदि बेमौसम हो, किसान समय पर अनाज न बोए, तो कैसी स्थिति हो जाएगी। ठीक इसी प्रकार यदि विद्यार्थी समय की कीमत न समझकर केवल परीक्षा के समय परिश्रम करेगा, तो उसे वांछित सफलता नहीं मिल सकती।

(1) दुनिया के सफलतम व्यक्ति –
- (क) समय की दुहाई देते रहे हैं।
- (ख) सदा कार्य में व्यस्त रहे हैं।
- (ग) समय कम होने की शिकायत करते रहे हैं।
- (घ) अच्छे अंक पाते रहे हैं।

(2) विद्यार्थी को जीवन में सफलता मिलती है –
- (क) जो रात-दिन केवल पढ़ता रहता है।
- (ख) जो समय तालिका पर ध्यान नहीं देता।
- (ग) जो समय की कीमत समझता है।
- (घ) जो खेलों में सारा समय नहीं बिताता है।

(3) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा –
- (क) सफलता कैसे
- (ख) समय का सदुपयोग
- (ग) आदर्श विद्यार्थी
- (घ) सफलतम व्यक्ति

(4) सूरज, वर्षा, किसान के उदाहरण किस संदर्भ में दिए गए हैं –
- (क) ऋतु की अनियमितता के लिए।
- (ख) सूरज और वर्षा का महत्त्व बताने के लिए।
- (ग) समय की महत्ता दर्शाने के लिए।
- (घ) किसान की मुस्तैढ़ी बताने के लिए।

(5) विद्यार्थी को कब मनचाही सफलता नहीं मिलती –
- (क) जब वह आराम नहीं करता है।
- (ख) जब वह परीक्षा के दिनों में ही परिश्रम करता है।
- (ग) जब वह बड़ों का कहना नहीं मानता।
- (घ) जब वह खेलकूद में व्यस्त रहता है।

2. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए।** **1x5=5**

कुछ लोगों के अनुसार मनुष्य का सर्वश्रेष्ठ लक्ष्य धनसंग्रह है। नीतिशास्त्र में धन-संपत्ति आदि को 'अर्थ' कहा गया है। बहुत से ग्रंथों में अर्थ की प्रशंसा की गई है, क्योंकि सभी गुण धन पर ही आश्रित रहते हैं। जिसके पास धन है, वही सुखी रह सकता है; विषय-भोगों का संग्रह कर सकता है और दान-धर्म भी निभा सकता है। वर्तमान युग में धन का सबसे अधिक महत्त्व है। आज हमारी आवश्यकताएँ बहुत बढ़ गई हैं। अत: उन्हें पूरा करने के लिए धन-संग्रह की आवश्यकता पड़ती है। धन की प्राप्ति के लिए भी अत्यधिक प्रयत्न करना पड़ता है और सारा जीवन इसी में लगा रहता है। कुछ लोग तो धनोपार्जन को ही जीवन का उद्देश्य बनाकर उचित-अनुचित का भेद भी भुला बैठे हैं। संसार के इतिहास में धन-लिप्सा के कारण जितनी हिंसाएँ, अनर्थ और अत्याचार हुए हैं, उतने किसी और कारण से नहीं। धन को संचित करने के लिए छल-कपट आदि का सहारा लेना पड़ता है, जिसके कारण जीवन में अशांति और चेहरे पर विकृति बनी रहती है। इतना ही नहीं धन-संग्रह की प्रवृत्ति पनपने के कारण सदा चोर, डाकू और दुश्मनों का भय बना रहता है। इसलिए अशांति, संघर्ष, दुष्प्रवृत्ति, दुख, भय एवं पाप आदि का मूल होने के कारण धन को जीवन का परम लक्ष्य नहीं माना जा सकता।

(1) जीवन में धन को सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण माना गया है, क्योंकि -
- (क) ग्रंथों में धन की प्रशंसा है।
- (ख) सभी धन पर आश्रित हैं।
- (ग) धन से दान-धर्म संभव है।
- (घ) उपर्युक्त सभी

(2) आधुनिक युग में धन की प्रमुखता बढ़ गई है, क्योंकि -
- (क) समाज सभ्य हो गया है।
- (ख) हमने विकास कर लिया है।
- (ग) जरूरतें बढ़ गई हैं।
- (घ) कभी भी कुछ घटित हो सकता है।

(3) धन-संग्रह को जीवन का परमोद्देश्य मानने का दुष्परिणाम -
- (क) रिश्तों का टूट जाना।
- (ख) उचित-अनुचित का भेद भूल जाना।
- (ग) एक दूसरे की मदद करना।
- (घ) समय पर सारे काम पूरे हो जाना।

(4) 'धनोपार्जन' का सही अर्थ है -
- (क) धन व्यय करना
- (ख) धन कमाना
- (ग) धन की बचत करना
- (घ) फिज़ूलखर्ची करना

(5) गद्यांश का उचित शीर्षक हो सकता है -
- (क) धन-संग्रह की आवश्यकता
- (ख) जीवन का परम लक्ष्य
- (ग) जीवन में धन का स्थान
- (घ) संग्रह की प्रवृत्ति

3. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए।** **1x5=5**

नवीन कंठ दो कि मैं नवीन गान गा सकूँ,
स्वतंत्र देश की नवीन आरती सजा सकूँ !
नवीन दृष्टि का नया विधान आज हो रहा,
नवीन आसमान में नया विहान हो रहा,
खुलीं दसों दिशा, खुले कपाट ज्योति-द्वार के
विमुक्त राष्ट्र सूर्य भासमान आज हो रहा।

युगांत की व्यथा लिए अतीत आज रो रहा,
दिगंत में वसंत का भविष्य बीज बो रहा,
सुदीर्घ क्रांति झेल, खेल कर ज्वलंत आग से
स्वदेश बल सँजो रहा, कड़ी थकान खो रहा।
प्रबुद्ध राष्ट्र की नवीन वंदना सुना सकूँ,
नवीन बीन दो कि मैं अगीत गान गा सकूँ।

नए समाज के लिए नवीन नींव पड़ चुकी,
नए मकान के लिए नवीन ईंट गड़ चुकी,
सभी कुटुंब एक, कौन पास, कौन दूर है –
नए समाज का हरेक व्यक्ति एक नूर है।
भविष्य द्वार मुक्त है स्वतंत्र भाव से चलो,
मनुष्य बन मनुष्य से गले मिलो, चले चलो।

(1) काव्यांश के लिए उचित शीर्षक होगा –
(क) नवीन कंठ (ख) नवीन बीन (ग) नवीनता (घ) नवीन गान

(2) युगांत की व्यथा लिए कौन रो रहा है –
(क) वर्तमान (ख) भूतकाल (ग) भविष्य (घ) कोई नहीं

(3) नवीन आसमान में क्या हो रहा है –
(क) स्वतंत्रता का सूर्योदय (ख) गरीबी का सूर्यास्त
(ग) नवीन चेतना का प्रकाश (घ) आरती का प्रकाश

(4) राष्ट्र को कवि ने प्रबुद्ध कहा है। क्योंकि –
(क) राष्ट्र के लोग नई ईंट गाड़ चुके हैं।
(ख) राष्ट्र के लोगों में जागरूकता आ गई हैं।
(ग) राष्ट्र का हर व्यक्ति सुंदर लग रहा है।
(घ) राष्ट्र के लोग वंदना गा रहे हैं।

(5) कवि ने काव्यांश के माध्यम से हमें क्या प्रेरणा दी है –
(क) बैर भाव से दूर रहो।
(ख) सच्चे इनसान बनकर समान भाव से रहो।
(ग) गले मिलकर चले चलो।
(घ) कुटुंब से दूर रहो।

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए। 1x5=5

ऊँचा सदा रहेगा झंडा , ऊँचा सदा रहेगा।
हिंद देश का प्यारा झंडा, ऊँचा सदा रहेगा।।
तूफानों से और बादलों से भी नहीं झुकेगा,
नहीं झुकेगा, नहीं झुकेगा, झंडा नहीं झुकेगा।।
केसरिया बल भरने वाला, सफेद है सच्चाई,

हरा रंग है, हरी हमारी, धरती की अंगड़ाई,
और चक्र कहता है कदम हमारा नहीं रुकेगा।
    शान हमारी ये झंडा है, ये अरमान हमारा,
    ये बल-पौरुष है सदियों का, ये बलिदान हमारा।
    जीवन-दीप बनेगा, ये अंधियारा दूर करेगा।
आसमान में लहराए ये, बादल में लहराए,
जहाँ-जहाँ जाए ये झंडा, ये संदेश सुनाए।
है आज़ाद हिंद, ये दुनिया को आज़ाद करेगा,
    झंडा ऊँचा सदा रहेगा।

(1) काव्यांश में किसकी चर्चा की गई है?

(क) राष्ट्रीय पशु (ख) राष्ट्रीय पक्षी (ग) राष्ट्रीय ध्वज (घ) राष्ट्रीय पुष्प

(2) हरा रंग किसको दर्शाता है?

(क) शक्ति को (ख) बलिदान को (ग) निरंतर बढ़ने को (घ) समृद्धि को

(3) तिरंगे में कौन-कौन से रंग होते हैं?

(क) लाल, हरा व सफेद (ख) केसरिया, सफेद व हरा

(ग) हरा, सफेद व केसरिया (घ) केसरिया, हरा व नीला

(4) चक्र क्या संदेश देता है?

(क) एक ओर चलना चाहिए।

(ख) गोल-गोल घूमना चाहिए।

(ग) देश भर में चक्कर लगाना चाहिए।

(घ) आगे बढ़ते रहना चाहिए।

(5) यह झंडा किस प्रकार अंधकार दूर करेगा?

(क) जीवनदीप बनकर (ख) आकाश में लहराकर

(ग) बादल में फहरकर (घ) धरती पर हरियाली लाकर

खंड 'ख'

5. (क) पद-परिचय से अभिप्राय है - 1

(i) शब्दों के अर्थ का परिचय देना।

(ii) शब्दों और पदों में अंतर बताना।

(iii) पदों को अलग-अलग बताना।

(iv) पदों का व्याकरणिक परिचय देना।

(ख) मोहन दसवीं कक्षा में पढ़ता है। रेखांकित पद का परिचय है - 1

(i) गुणवाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन।

(ii) परिमाणवाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन।

(iii) निश्चित संख्यावाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन।

(iv) निश्चित संख्यावाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, बहुवचन।

(ग) जनता को लूटने वाले नेता चुनाव कैसे जीतते हैं। रेखांकित में पदबंध का भेद है : **1**

(i) संज्ञा पदबंध (ii) सर्वनाम पदबंध

(iii) विशेषण पदबंध (iv) क्रियाविशेषण पदबंध

(घ) उसने यह बात आत्मविश्वास के साथ कही। रेखांकित पदबंध है – **1**

(i) विशेषण पदबंध (ii) क्रिया विशेषण पदबंध

(iii) सर्वनाम पदबंध (iv) संज्ञा पदबंध

6. (क) 'उस बच्चे को बुलाओ, जिसने नीली कमीज पहनी है।' रचना के आधार पर वाक्य का भेद है- **1**

(i) सरल वाक्य (ii) आज्ञावाचक

(iii) संयुक्त वाक्य (iv) मिश्र वाक्य

(ख) मेहनत करने पर भी 'गरीबों को भरपेट रोटी नहीं मिलती।' इस वाक्य से बना संयुक्त वाक्य है – **1**

(i) यद्यपि गरीब मेहनत करते हैं, तथापि उन्हें भरपेट रोटी नहीं मिलती।

(ii) यदि गरीब मेहनत करते हैं तो उन्हें भरपेट रोटी नहीं मिलती।

(iii) गरीब मेहनत करते हैं किंतु उन्हें भरपेट रोटी नहीं मिलती।

(iv) गरीबों को भरपेट रोटी नहीं मिलती क्योंकि वे मेहनत करते हैं।

(ग) निम्नलिखित में सरल वाक्य है – **1**

(i) आप चाय या कॉफी में से क्या लेना पसंद करेंगे।

(ii) आप चाय लेंगे या कॉफ़ी ?

(iii) आप चाय या कॉफ़ी जो भी पीना चाहें, वह बन जाएगी।

(iv) आप ठंडा लेंगे या गरम ?

(घ) 'चूँकि वह अपराधी था, इसलिए उसे सजा मिली।' रचना की दृष्टि से कौन-सा वाक्य भेद है। **1**

(i) संयुक्त वाक्य (ii) सरल वाक्य

(iii) मिश्र वाक्य (iv) संकेतवाचक

7. (क) 'अंतरैक्य' का संधि विच्छेद है – **1**

(i) अंतर + एक्य (ii) अंतर + इक्य

(iii) अंतर + ऐक्य (iv) अंत + रैक्य

(ख) 'महेश' का संधि-विच्छेद है – **1**

(i) महा + एश (ii) मह + ईश (iii) महा + ऐश (iv) महा + ईश

(ग) 'वचनामृत' समस्त पद का विग्रह है – **1**

(i) वचनों में अमृत (ii) वचन के लिए अमृत

(iii) वचन रूपी अमृत (iv) वचन और अमृत

(घ) निम्नलिखित में कौन-सा पद तत्पुरुष समास है – **1**

(i) महादेव (ii) आजकल (iii) देशभक्त (iv) नवरात्रि

8. (क) 'गाँठ बाँधना' मुहावरे का अर्थ है - 1

(i) अच्छी तरह गाँठ लगाना (ii) अच्छी तरह गठरी बाँधना

(iii) अच्छी तरह रस्सी को बाँधना (iv) अच्छी तरह याद रखना।

(ख) 'बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद' लोकोक्ति का अर्थ है कि मूर्ख - 1

(i) कोई स्वाद नहीं पहचानता।

(ii) गुणों की कद्र नहीं करता।

(iii) अदरक का स्वाद जानता है।

(iv) गुणों की पूजा करता है।

(ग) ''आतंकवादियों के मन में द्वेष और घृणा की भावना .... है।'' उचित मुहावरा भरिए। 1

(i) नौ दो ग्यारह होना (ii) कूट-कूट कर भरना

(iii) दिल पसीजना (iv) जले पर नमक छिड़कना

(घ) अदालत में जज ने भाइयों की संपत्ति का उचित बँटवारा कर......... कर दिया। 1

(i) अंत भले का भला (ii) दूध का दूध पानी का पानी

(iii) तू डाल-डाल, मैं पात-पात (iv) जहाँ चाह वहाँ राह

9. (क) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है - 1

(i) मेरे को घर जाना है। (ii) मैंने घर जाना है।

(iii) मुझसे घर जाना है। (iv) मुझे घर जाना है।

(ख) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है - 1

(i) मुझे गीतों की एक पुस्तक दीजिए।

(ii) मैदान में भेड़ और बकरियाँ चर रहे हैं।

(iii) सड़क पर मत खेलो।

(iv) हम यहाँ सकुशल हैं।

(ग) निम्नलिखित वाक्यों में शुद्ध वाक्य कौन-सा है ? 1

(i) आजकल की वर्तमान सरकार कैसी है?

(ii) आजकल कमरतोड़ महँगाई है।

(iii) आजकल महँगाई की कमर तोड़ दी है।

(iv) आजकल सज्जन पुरुष कम मिलते हैं।

(घ) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है - 1

(i) वहाँ कोई लगभग सौ लोग थे।

(ii) उस मकान के गिरने की आशा है।

(iii) सेब स्वास्थ्यवर्धक फल है।

(iv) यहाँ मुफ़्त आँखों का इलाज होता है।

खंड 'ग'

10. **निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर किसी एक काव्यांश के उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए।** **1x5=5**

खींच दो अपने ख़ूँ से ज़मी पर लकीर
इस तरफ आने पाए न रावण कोई
तोड़ दो हाथ अगर हाथ उठने लगे
छू न पाए सीता का दामन कोई
राम भी तुम, तुम्हीं लक्ष्मण साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो।

(क) काव्यांश की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है -

(i) राम-रावण युद्ध (ii) कारगिल युद्ध
(iii) भारत-पाक युद्ध (iv) भारत-चीन युद्ध

(ख) काव्यांश में 'रावण' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?

(i) लंका के राजा के लिए। (ii) शत्रु के लिए।
(iii) दामन के लिए। (iv) सैनिक के लिए।

(ग) भारत की ज़मीन पर किससे लकीर खींचने की बात कहीं गई है -

(i) पसीना (ii) पानी (iii) खून (iv) आँसू

(घ) 'सीता का दामन' यहाँ किसके लिए प्रयुक्त हुआ है-

(i) कर्मभूमि (ii) भारतभूमि (iii) धर्मभूमि (iv) युद्धभूमि

(ङ) काव्य-पंक्तियों में संदेश निहित है -

(i) रावण के हाथ तोड़ें हैं।
(ii) वतन को दूसरों के हवाले कर दें।
(iii) अपने खून की बूँद-बूँद से देश की रक्षा करें।
(iv) अपने खून से लकीर खींच दें।

अथवा

मनुष्य मात्र बंधु है, यही बड़ा विवेक है,
पुराण पुरुष स्वयंभू, पिता प्रसिद्ध एक है।
फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं,
परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद हैं।
अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।

(क) मनुष्य का सबसे बड़ा विवेक क्या है -

(i) मनुष्य चिंतनशील है। (ii) मनुष्य मरणशील है।
(iii) मनुष्य भाईचारे से रहे। (iv) मनुष्य परस्पर वैर भाव रखे।

(ख) हमें किसके अनुसार फल मिलता है?

(i) ईश्वर की कृपा के (ii) भाग्य के

(iii) अपने कर्मों के (iv) कठोर परिश्रम से

(ग) प्रस्तुत काव्यांश किस कविता से लिया गया है?

(i) आत्मत्राण (ii) मनुष्यता

(iii) कर चले हम फिदा (iv) मधुर-मधुर मेरे दीपक जल

(घ) कवि ने अनर्थ किसे कहा है?

(i) जब एक बंधु दूसरे की व्यथा बढ़ाता है।

(ii) जब बंधु ही बंधु की व्यथा दूर करता है।

(iii) जब बंधु ही बंधु की व्यथा दूर नहीं करता।

(iv) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(ङ) वास्तव में सच्चा मनुष्य कौन है?

(i) जो दूसरों के लिए सच बोलता है।

(ii) जो दूसरों को सच बोलना सिखाता है।

(iii) जो दूसरों का सच्चा साथी है।

(iv) जो दूसरों के लिए जीवन देता है।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए - **2½+2½=5**

(क) लेखक ने ग्वालियर से बंबई तक किन बदलावों को महसूस किया। 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'झेन की देन' प्रसंग के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि चाय पीने के बाद लेखक ने क्या महसूस किया?

(ग) सआदत अली को अवध के तख्त पर बिठाने के पीछे कर्नल का क्या मकसद था?

(घ) भीड़ ख्यूक्रिन पर क्यों हँसने लगती है?

12. बढ़ती हुई आबादी का पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ रहा है? 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए और बताइए कि पर्यावरण से संबंधित संस्कार आपको अपने परिवार से कैसे मिलते हैं? **5**

अथवा

वज़ीर अली के अफसाने सुनकर कर्नल को रॉबिनहुड़ की याद क्यों आ जाती है? इस संदर्भ में स्पष्ट कीजिए कि वज़ीर अली एक जाँबाज सिपाही था?

13. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

''मेरे ख्याल से यह जनरल झिगालॉव का है।'' भीड़ में से एक आवाज उभरकर आई। ''जनरल झिगालॉव! हूँ येल्दीरीन, मेरा कोट उतरवाने में मेरी मदद करो.... ओफ़्फ़! आज कितनी गरमी है। लग रहा है बारिश होकर रहेगी। वह ख्यूक्रिन की तरफ मुड़ा - ''एक बात मेरी समझ में नहीं आती। आखिर इसने तुम्हें कैसे काट खाया? यह तुम्हारी उँगली तक पहुँचा कैसे? तू इतना लंबा-तगड़ा आदमी और यह रत्तीभर का जानवर ! जरूर ही तेरी उँगली पर कोई कील वगैरह गड़ गई होगी और तत्काल तूने सोचा होगा कि इस कुत्ते के मत्थे मढ़कर कुछ हरजाना वगैरह ऐंठकर फायदा उठा लिया जाए। मैं तेरे जैसे शैतान को अच्छी तरह समझता हूँ।''

(क) पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए। 1

(ख) किसको अपना कोट उतरवाने की ज़रूरत पड़ी और क्यों? 2

(ग) ख्यूक्रिन पर क्या आरोप लगाया गया? इसका क्या कारण हो सकता है? 2

अथवा

शुद्ध सोना अलग है और गिन्नी का सोना अलग। गिन्नी के सोने में थोड़ा-सा ताँबा मिलाया हुआ होता है, इसलिए वह ज्यादा चमकता है और शुद्ध सोने से मजबूत भी होता है। औरतें अकसर इसी सोने के गहने बनवा लेती हैं। फिर भी होता तो वह है गिन्नी का सोना ही। शुद्ध आदर्श भी शुद्ध सोने के जैसे होते हैं। चंद लोग उनमें व्यावहारिकता का थोड़ा-सा तांबा मिला देते हैं और चलाकर दिखाते हैं। तब हम लोग उन्हें 'प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट' कहकर उनका बखान करते हैं।

(क) शुद्ध सोने और गिन्नी के सोने में क्या अंतर होता है? शुद्ध आदर्श, शुद्ध सोने की तरह कैसे होते हैं? 2

(ख) 'प्रैक्टिकल-आइडियालिस्ट' किन्हें कहा जाता है? उदाहरण सहित स्पष्ट करें। 2

(ग) पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए। 1

14. (क) 'मन काँचै नाचै बृथा, साँचै रांचै रामु।।' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। 2

(ख) "मधुर-मधुर मेरे दीपक जल" कविता में कवयित्री ने अपने मन रूपी दीपक से किस तरह जलने की प्रार्थना की है ? क्यों? 2

(ग) 'आत्मत्राण' कविता का मुख्य संदेश क्या है? 1

15. मास्टर प्रीतमचंद को स्कूल से क्यों निकाल दिया गया? स्कूल से निकाल दिए जाने पर वे क्या करते थे? 3

अथवा

टोपी ने इफ़्फ़न से अपनी दादी बदलने की बात क्यों कही? स्पष्ट करें।

16. हेडमास्टर शर्मा जी का स्वभाव कैसा था? 'सपनों के से दिन' पाठ के आधार पर उत्तर लिखें। 2

खंड 'घ'

17. नीचे दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग *100* शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए - 5

(क) राष्ट्र के प्रति हमारा कर्तव्य -

- राष्ट्र किसे कहते हैं?
- राष्ट्र हमारे लिए क्या-क्या करता है?
- राष्ट्र को हमारा योगदान

(ख) पतंग उड़ाने का आनंद -

- कब, कहाँ और कैसे उड़ाने का रिवाज है।
- पतंग, डोर या मांझे का चयन
- दाँव-पेंच का रोमांच

(ग) सत्संगति -

- सत्संगति का अर्थ एवं स्वरुप
- सत्संगति की आवश्यकता
- सत्संगति के लाभ, उदाहरण

18. पत्र - लेखन : **5**

सर्वशिक्षा अभियान के प्रोत्साहन हेतु विद्यालय में रात्रिकालीन शिक्षण की व्यवस्था करवाने की अनुमति माँगते हुए प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए

अथवा

पुस्तकालय के विभागाध्यक्ष को पत्र लिखकर अपने विद्यालय के पुस्तकालय में कम से कम दो हिंदी पत्रिकाएँ नियमित रूप से मँगवाने का आग्रह कीजिए।

- o 0 o -